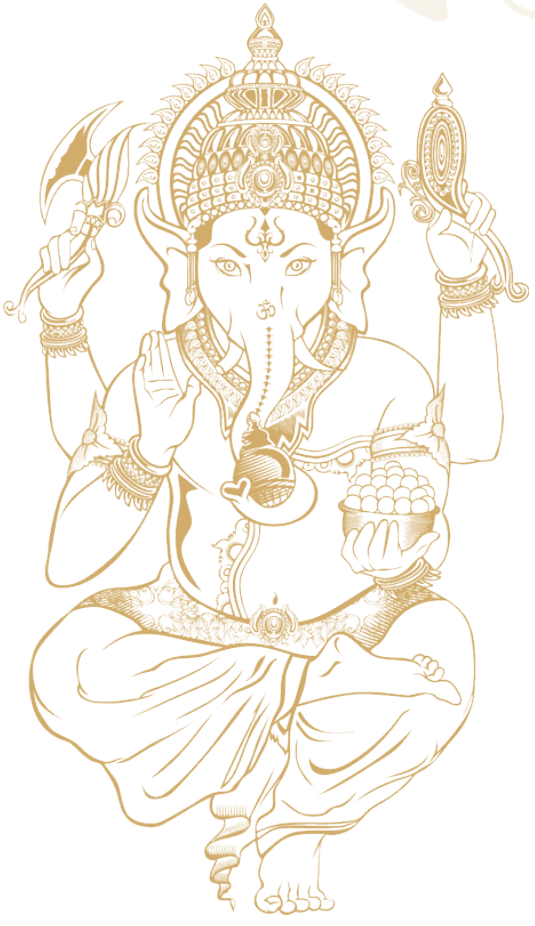

Ranvir Singh

17 Jan 1979

10:30 AM

Daltenganj

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120739703

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
17/01/1979	जन्म तिथि	**16-17/01/2025**
बुधवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 10:30:00	जन्म समय	05:39:57 घंटे
घटी 09:37:32	जन्म समय(घटी)	57:32:25 घटी
India	देश	India
Daltenganj	स्थान	Daltenganj
उत्तर 24:02:00	अक्षांश	24:02:00 उत्तर
पूर्व 84:04:00	रेखांश	84:04:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:06:16	स्थानिक संस्कार	00:06:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:38:59	सूर्योदय	06:38:58
17:27:44	सूर्यास्त	17:28:22
23:33:50	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:26

मीन	लग्न	धनु
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
सिंह	राशि	सिंह
सूर्य	राशि-स्वामी	सूर्य
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	मघा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	केतु
1	चरण	3
सौभाग्य	योग	सौभाग्य
बालव	करण	बव
मो-मोहन	जन्म नामाक्षर	मू-मुक्ता
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
वनचर	वश्य	वनचर
मूषक	योनि	मूषक
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	मूषक
46	गत/तत्कालिक वर्ष	47

जन्म – विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उ०भाद्रपद	3	13:18:40	मीन			लग्न			धनु	17:08:49	2	पूर्वाषाढ़ा
उत्तराषाढ़ा	2	02:54:58	मक			सूर्य			मक	02:54:58	2	उत्तराषाढ़ा
पू०फाल्गुनी	1	15:13:07	सिंह			चंद्र			सिंह	09:39:43	3	मघा
उत्तराषाढ़ा	3	03:42:06	मक		अ	मंगल	व		कर्क	01:38:41	4	पुनर्वसु
पूर्वाषाढ़ा	2	18:38:30	धनु			बुध			धनु	18:23:15	2	पूर्वाषाढ़ा
पुष्य	3	11:27:57	कर्क	व		गुरु	व		वृष	17:38:45	3	रोहिणी
अनुराधा	4	16:04:08	वृश्चि			शुक्र			कुंभ	19:55:04	4	शतभिषा
पू०फाल्गुनी	2	19:52:55	सिंह	व		शनि			कुंभ	21:41:13	1	पू०भाद्रपद
पू०फाल्गुनी	4	24:59:04	सिंह	व		राहु	व		मीन	04:59:28	1	उ०भाद्रपद
पू०भाद्रपद	2	24:59:04	कुंभ	व		केतु	व		कन्या	04:59:28	3	उ०फाल्गुनी
विशाखा	3	26:46:37	तुला			मु		अ	मक	13:18:40	1	श्रवण

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:26

लग्न–चलित

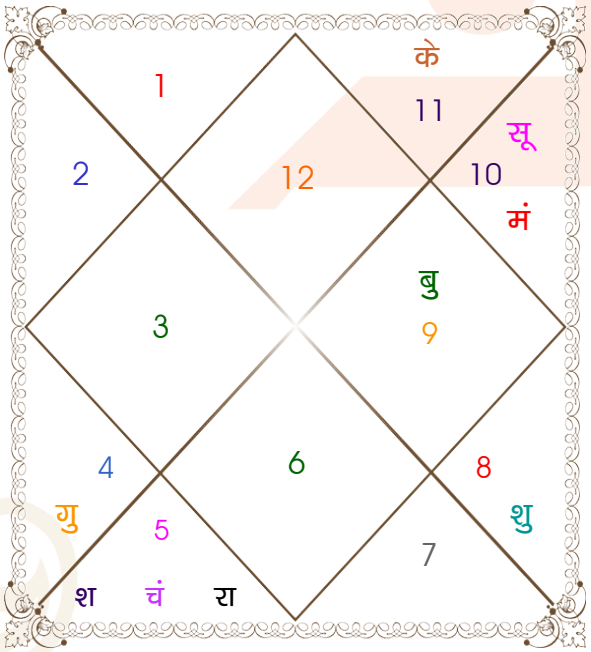

वर्ष लग्न कुंडली

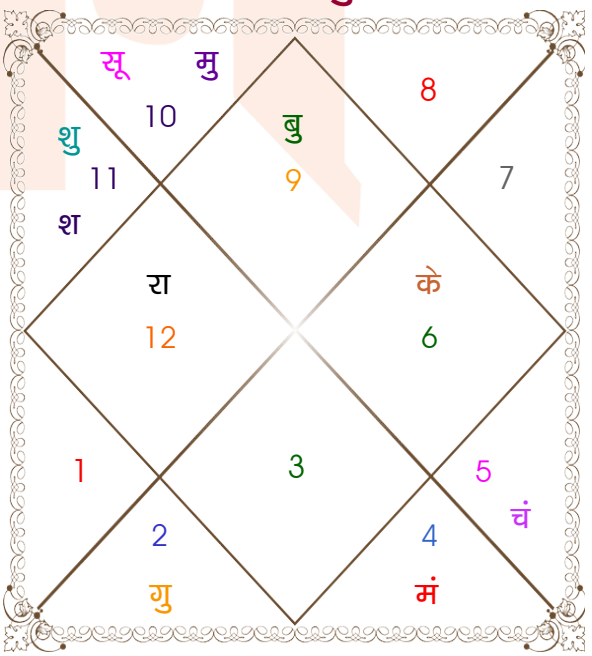

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - शनि - चंद्र	
15/12/2025 14:09	
12/03/2026 08:05	
चंद्र	22/12/2025 19:39
मंगल	27/12/2025 21:05
राहु	09/01/2026 21:23
गुरु	21/01/2026 10:58
शनि	04/02/2026 04:36
बुध	16/02/2026 11:33
केतु	21/02/2026 13:00
शुक्र	07/03/2026 23:59
सूर्य	12/03/2026 08:05

राहु - शनि - मंगल	
12/03/2026 08:05	
12/05/2026 01:25	
मंगल	15/03/2026 21:05
राहु	24/03/2026 23:41
गुरु	02/04/2026 02:00
शनि	11/04/2026 16:45
बुध	20/04/2026 07:12
केतु	23/04/2026 20:13
शुक्र	03/05/2026 23:07
सूर्य	06/05/2026 23:59
चंद्र	12/05/2026 01:25

राहु - शनि - राहु	
12/05/2026 01:25	
15/10/2026 04:53	
राहु	04/06/2026 11:33
गुरु	25/06/2026 07:12
शनि	20/07/2026 00:33
बुध	11/08/2026 03:27
केतु	20/08/2026 06:03
शुक्र	15/09/2026 06:38
सूर्य	23/09/2026 02:00
चंद्र	06/10/2026 02:17
मंगल	15/10/2026 04:53

राहु - शनि - गुरु	
15/10/2026 04:53	
02/03/2027 23:58	
गुरु	02/11/2026 17:02
शनि	24/11/2026 16:27
बुध	14/12/2026 08:21
केतु	22/12/2026 10:40
शुक्र	14/01/2027 13:51
सूर्य	21/01/2027 12:24
चंद्र	02/02/2027 02:00
मंगल	10/02/2027 04:18
राहु	02/03/2027 23:58

राहु - बुध - बुध	
02/03/2027 23:58	
12/07/2027 22:41	
बुध	21/03/2027 16:35
केतु	29/03/2027 09:19
शुक्र	20/04/2027 09:06
सूर्य	26/04/2027 23:26
चंद्र	07/05/2027 23:20
मंगल	15/05/2027 16:03
राहु	04/06/2027 11:04
गुरु	22/06/2027 01:17
शनि	12/07/2027 22:41

राहु - बुध - केतु	
12/07/2027 22:41	
05/09/2027 06:38	
केतु	16/07/2027 02:45
शुक्र	25/07/2027 04:04
सूर्य	27/07/2027 21:16
चंद्र	01/08/2027 09:56
मंगल	04/08/2027 14:00
राहु	12/08/2027 17:35
गुरु	19/08/2027 23:27
शनि	28/08/2027 13:54
बुध	05/09/2027 06:38

राहु - बुध - शुक्र	
05/09/2027 06:38	
07/02/2028 12:11	
शुक्र	01/10/2027 03:33
सूर्य	08/10/2027 21:50
चंद्र	21/10/2027 20:18
मंगल	30/10/2027 21:37
राहु	23/11/2027 04:27
गुरु	13/12/2027 21:11
शनि	07/01/2028 11:04
बुध	29/01/2028 10:51
केतु	07/02/2028 12:11

राहु - बुध - सूर्य	
07/02/2028 12:11	
25/03/2028 01:51	
सूर्य	09/02/2028 20:04
चंद्र	13/02/2028 17:12
मंगल	16/02/2028 10:24
राहु	23/02/2028 10:03
गुरु	29/02/2028 15:04
शनि	08/03/2028 00:02
बुध	14/03/2028 14:22
केतु	17/03/2028 07:34
शुक्र	25/03/2028 01:51

राहु - बुध - चंद्र	
25/03/2028 01:51	
10/06/2028 16:37	
चंद्र	31/03/2028 13:05
मंगल	05/04/2028 01:44
राहु	16/04/2028 17:09
गुरु	27/04/2028 01:31
शनि	09/05/2028 08:28
बुध	20/05/2028 08:21
केतु	24/05/2028 21:01
शुक्र	06/06/2028 19:29
सूर्य	10/06/2028 16:37

राहु - बुध - मंगल	
10/06/2028 16:37	
04/08/2028 00:34	
मंगल	13/06/2028 20:41
राहु	22/06/2028 00:16
गुरु	29/06/2028 06:08
शनि	07/07/2028 20:35
बुध	15/07/2028 13:19
केतु	18/07/2028 17:23
शुक्र	27/07/2028 18:42
सूर्य	30/07/2028 11:54
चंद्र	04/08/2028 00:34

राहु - बुध - राहु	
04/08/2028 00:34	
21/12/2028 17:33	
राहु	24/08/2028 23:31
गुरु	12/09/2028 14:35
शनि	04/10/2028 17:28
बुध	24/10/2028 12:29
केतु	01/11/2028 16:04
शुक्र	24/11/2028 22:54
सूर्य	01/12/2028 22:33
चंद्र	13/12/2028 13:58
मंगल	21/12/2028 17:33

राहु - बुध - गुरु	
21/12/2028 17:33	
24/04/2029 22:00	
गुरु	07/01/2029 06:57
शनि	26/01/2029 22:51
बुध	13/02/2029 13:05
केतु	20/02/2029 18:56
शुक्र	13/03/2029 11:41
सूर्य	19/03/2029 16:42
चंद्र	30/03/2029 01:04
मंगल	06/04/2029 06:56
राहु	24/04/2029 22:00

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर वातजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य रहेगी तथा यदा कदा मन में उद्विग्नता तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा समय समय पर परिवार में कलह तथा मतभेद रहेगा साथ ही पारिवारिक जनों से आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस वर्ष में आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा लोग आपका यथोचित सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपकी अरूचि तथा उपेक्षा बनी रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को भी अल्प मात्रा में ही सम्पन्न करेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा परन्तु निम्न श्रेणी की स्त्रियों से आपको हानि हो सकती है अतः इनसे सम्पर्क न रखें। साथ ही सेवक वर्ग का सुख भी आप मध्यम ही प्राप्त करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा इसमें अनावश्यक समस्याएं होगी। साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में नवीन कार्यो को प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय उन्नति मार्ग में बाधाएं आएंगी तथा आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः ऐसे समय में आपको उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। आर्थिक स्थिति आपकी इस समय अच्छी नहीं रहेगी परन्तु बहिनों या भाईयों के द्वारा किंचित लाभ अर्जित हो सकता है। साथ ही अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त निम्न वर्ग के लोगों से हानि होगी अतः इनसे सतर्क रहें। इस प्रकार परिश्रम करने में तत्पर रहें तभी आपको शुभ फलों की प्राप्ति हो सकेगी ।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप की स्वस्थता बनी रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप शान्ति तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा फलतः सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे।बन्धुवर्ग से भी इस वर्ष आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनसे लाभ भी मिलेगा। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपकी विशेष रूचि रहेगी तथा इच्छानुसार आप समय समय पर रूचि पूर्वक इसका भक्षण कर के आनन्द की प्राप्ति करेंगे।

इस वर्ष में राजनैतिक रूप से प्रभाव शाली व्यक्तियों या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आप को आश्रय मिलेगा अर्थात आपसे ये लोग प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं समय समय पर अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। फलतः आपके सभी सांसारिक महत्व के कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी आय अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त स्त्री से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा जिससे आपके मन में प्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा।